

- निर्देशाः (i) सर्वे प्रश्नाः अनिवार्याः। प्रश्नानुसारम् अङ्काः समक्षे निर्देशिताः।
- (ii) उत्तरपुस्तिकायाः प्रथमपृष्ठे स्वनाम, अनुक्रमाङ्कसंख्या, शिक्षणकेन्द्रस्य नाम इति सर्वं लेखनीयम्।
- निर्देश (i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रश्नों के अनुसार अंक सामने दिए गए हैं।
- (ii) उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ पर अपना नाम, अनुक्रमांक संख्या तथा अध्ययन केन्द्र का नाम लिखिए।

- (1) कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं लिखत। 2
- (1) शुक्लयजुर्वेदस्य परिचयो देयः। (द्रष्टव्यः प्रथमः पाठः)
- (2) वेदशब्दस्य अर्थं स्वभाषया वर्णयत। (द्रष्टव्यः द्वितीयः पाठः)
- किसी एक प्रश्न का उत्तर 40-60 शब्दों में लिखिए।
- (1) शुक्ल यजुर्वेद का परिचय दीजिए। (पाठ-1 देखें)
- (2) वेद शब्द का अर्थ अपनी भाषा में वर्णन कीजिए। (पाठ-2 देखें)
- (2) कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं 40-60 शब्देषु लिखत। 2
- (1) सायणस्य वेदभाष्यपरम्परायै अवदानं संक्षेपेण लिखत। (द्रष्टव्यः तृतीयः पाठः)
- (2) महीधरभाष्यविषये संक्षेपेण लिखत। (द्रष्टव्यः तृतीयः पाठः)
- किसी एक प्रश्न का उत्तर 40-60 शब्दों में लिखिए।
- (1) वेदभाष्य परम्परा में सायण के योगदान को संक्षेप में लिखिए। (पाठ-3 देखें)
- (2) महीधर भाष्य के विषय में संक्षेप में लिखिए। (पाठ-3 देखें)
- (3) कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं 40-60 शब्देषु लिखत। 2
- (1) “यावन्तः पृथिव्यां भोगा यावन्तो जातवेदसि। यावन्तो अप्सु प्राणिनां भूयान् पुत्रे पितुस्ततः॥” अस्यार्थं स्वशब्देषु लिखत। (द्रष्टव्यः द्वादशः पाठः)
- (2) यम-यमी-संवादस्य सारं स्वभाषाया प्रतिपदयत। (द्रष्टव्यः एकादशः पाठः)
- किसी एक प्रश्न का उत्तर 40-60 शब्दों में लिखिए।
- (1) “यावन्तः पृथिव्यां भोगा यावन्तो जातवेदसि। यावन्तो अप्सु प्राणिनां भूयान् पुत्रे पितुस्ततः॥” इसका अर्थ अपने शब्दों में लिखिए। (पाठ-12 देखें)
- (2) यम-यमी संवाद का सार अपनी भाषा में प्रतिपादित कीजिए। (पाठ-11 देखें)

- (4) कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं 100-150 शब्देषु लिखत। 4
- (1) वरुण-सूक्तस्य वैशिष्ट्यं स्वभाषया प्रतिपादयत। (द्रष्टव्यः दशमः पाठः)
- (2) “व्यवहिताश्च” इति सूत्रस्य सोदाहरणं व्याख्यां कुरुत। (द्रष्टव्यः षोडशः पाठः)
- किसी एक प्रश्न का उत्तर 100-150 शब्दों में लिखिए।
- (1) वरुण सूक्त का वैशिष्ट्य अपनी भाषा में प्रतिपादित कीजिए। (पाठ-10 देखें)
- (2) “व्यवहिताश्च” सूत्र की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए। (पाठ-16 देखें)
- (5) कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं 100-150 शब्देषु लिखत। 4
- (1) “बहुलं छन्दसि” इति सूत्रम् सोदाहरणं व्याख्यायत। (द्रष्टव्यः सप्तदशः पाठः)
- (2) “इतश्च लोपः परस्मैपदेषु” इति सूत्रम् उदाहरणसहितं व्याख्यायत। (द्रष्टव्यः अष्टादशः पाठः)
- किसी एक प्रश्न का उत्तर 100-150 शब्दों में लिखिए।
- (1) “बहुलं छन्दसि” सूत्र की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए। (पाठ-17 देखें)
- (2) “इतश्च लोपः परस्मैपदेषु” सूत्र की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए। (पाठ-18 देखें)
- (6) अधोलिखतयोः कमपि विषयमाश्रित्य परियोजनाविवरणं ५०० शब्देषु लिखत। 6
- (1) वेदाध्ययनस्य फलं निरूपयत? (द्रष्टव्यः प्रथमः पाठः)
- (2) निम्नलिखितानि सूत्राणि सोदाहरणं व्याख्यायत-
- (i) वहश्च ॥
- (ii) ईश्वरे तोसुन्कसुनौ॥
- (iii) उपसर्गाच्छन्दसि धात्वर्थे॥
- नीचे दिए गए किसी एक विषय पर परियोजनारूप में विवरण ५०० शब्दों में लिखिए।
- (1) वेदाध्ययन के लाभों का वर्णन कीजिए। (पाठ-1 देखें)
- (2) निम्नलिखित सूत्रों की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए-
- (i) वहश्च ॥
- (ii) ईश्वरे तोसुन्कसुनौ॥
- (iii) उपसर्गाच्छन्दसि धात्वर्थे॥